Publication	Edition	Date	Page No.
The Hindu	New Delhi	7th Dec 2012	2

Ansari calls for protection of rock art

Madhur Tankha

NEW DELHI: "The pressures of urbanisation and population growth are threatening the country's historic monuments and pre-historic rock art sites. Unless we act quickly to improve the manner in which we look after these treasures, irreparable damage could be caused," said Vice-President Hamid Ansari, while inaugurating the International Conference on Rock Art-2012 at Indira Gandhi National Centre for the Arts here on Thursday.

Describing rock art as humankind's precious cultural heritage, Mr. Ansari said it depicts the earliest recorded expressions of our species. "It is also a valuable repository of our artistic, cognitive and cultural beginnings since the earliest days. India is fortunate to possess one of the three largest concentrations of this world heritage, the other two being Australia and South Africa, where rock art is still a living pursuit."

Vice-President Hamid Ansari admiring paintings on display at the International Conference on Rock Art-2012 after inaugurating it at IGNCA in New Delhi on Thursday. PHOTO: SHANKER CHAKRAVARTY

Noting that a significant part of our rock art heritage still remains outside the purview of the Archaeological Survey of India and State Archaeology Departments, Mr. Ansari said: "I would urge the Ministry of Culture, the ASI, State Archaeology Departments and other allied departments like forests, geology and mining to ensure greater integration of effort for preservation and conservation of these sites."

Organised by IGNCA in partnership with the Ministry of Culture, the conference is part of the 45-day-long international festival which seeks to popularise and protect the pre-historic rock art.

To give a live experience to visitors, a cave-like set up has been designed on the lines of Bhimbetka, an archaeological world heritage site located at Raisen district of Madhya Pradesh. The exhibition has been separated into zones showing art forms of different continents. It also displays rock arts pieces related to the pre-historic era.

A workshop will be conducted in which scholars and artists from across the globe would demonstrate their techniques in constructing rock art. They would also present review and overall status of rock art studies in their respective continents through special lectures in the conference.

Publication	Edition	Date	Page No.
Mail Today	New Delhi	7th Dec 2012	20

One of the prehistoric cave paintings at the Rock Art show

Rock stars of the New Stone Age

THE possibility of a time machine might still be in question, but with Rock Art 2012 your chance to travel back in time and view artworks of the Michelangelos and Picassos of Stone Age will come true.

Rock Art 2012, which has been organised by Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) along with Ministry of Culture, will feature an International Conference on Rock Art as well as two exhibitions and workshops.

"The festival, which will focus on the recent developments in rock art research, aims to create general awareness about rock art," said B L Malla, Project Director, International 'Rock Art' Festival.

Dipali Khanna, Member Secretary, IGNCA adds, "The conference will feature 22 scholars from 16 countries."

The highlight of the exhibition will be a replica of Madhya Pradesh's Bhimbetka caves that has been divided into five zones dedicated to different regions of the country. The second installation will be dedicated to international rock art and will also feature, among others, the bull paintings of Spain and actual instruments used to create the art.

The workshops will feature demonstrations by artists involved in art forms such as Saura, Warli and Rathwa .

– By Srijani Ganguly

'Rock Art 2012' will be held at IGNCA, Janpath, till January 2013

Publication	Edition	Date	Page No.
The Asian Age(Delhi Special)	New Delhi	7th Dec 2012	1

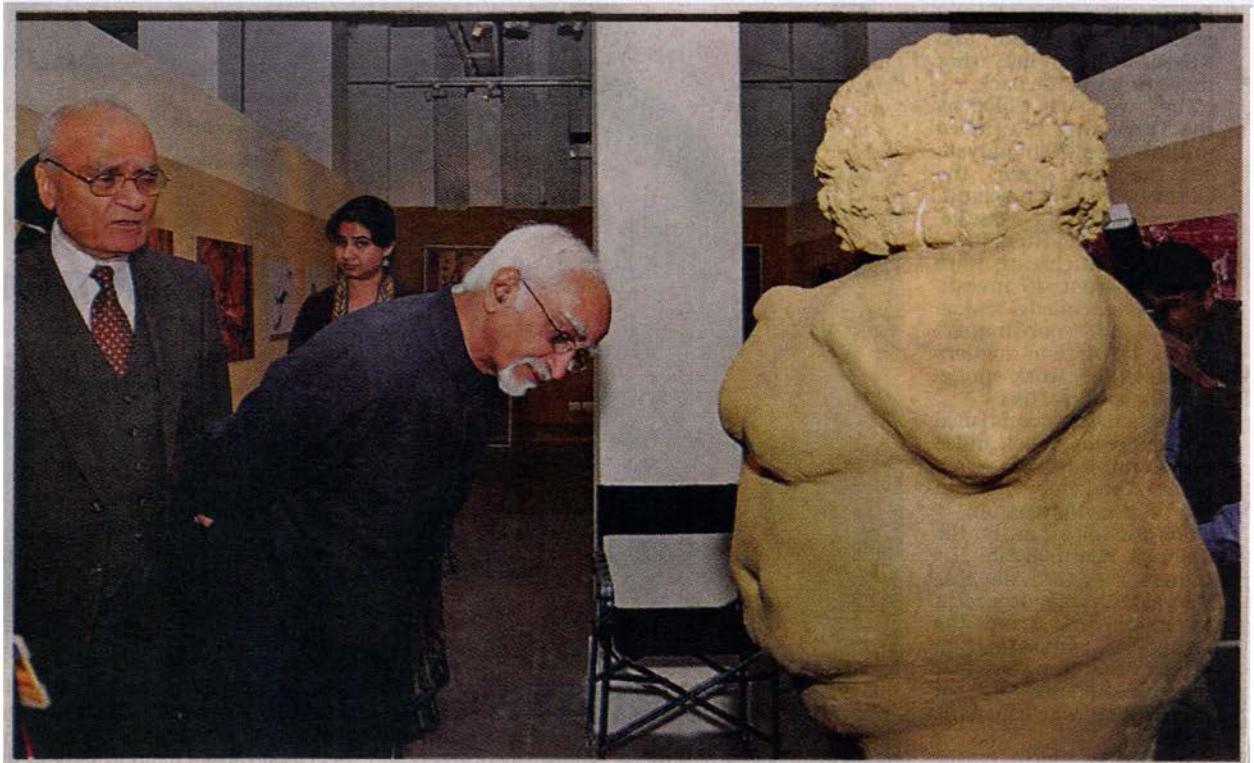

Vice-president Hamid Ansari, with Indira Gandhi National Centre for the Arts president Chinmaya R. Gharekhan, looks at a sculpture during the inauguration of the Rock Art Festival in New Delhi on Thursday. — *G.N. JHA*

Publication	Edition	Date	Page No.
The Statesman	New Delhi	7th Dec 2012	5

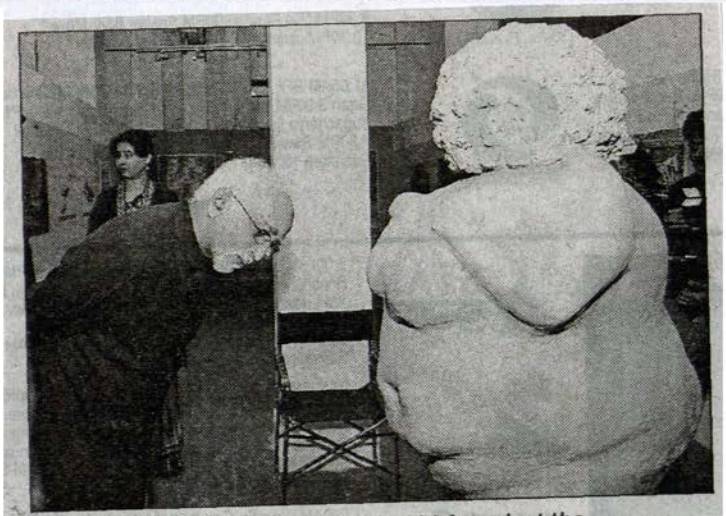

MESMERISED ~ Vice-President Hamid Ansari, at the inauguration of the Rock Art Festival in the Capital on Thursday.
subrata dutta

Publication	Edition	Date	Page No.
Deccan Herald(Metro Life)	New Delhi	7th Dec 2012	2

Prehistoric

A unique exhibition is set to feature Indian and global Rock art – human-made markings on natural stone. To give viewers an authentic experience of the prehistoric age, it is displayed in a cave-like set up designed on the lines of Bhimbetka. Renowned scholars will also lecture on Rock art and research on this subject in their respective countries. *Venue*: Indira Gandhi National Cen-

DISCOVERY See Rock art from the world over at IGNCA.

Publication	Edition	Date	Page No.
Dainik Jagran(Jagran City)	New Delhi	7th Dec 2012	1

शहरीकरण से प्रभावित हो रही ऐतिहासिक इमारतें : अंसारी

जासं, नई दिल्ली : आधुनिक दौर में शहरीकरण का बोझ इस कदर बढ़ गया है कि ऐतिहासिक इमारतें इससे प्रभावित हो रही हैं। इनके संरक्षण के लिए जल्द कदम उठाने की आवश्यकता है। उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने यह बात इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में रॉक आर्ट-2012 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कही। 45 दिन के इस समारोह में भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों के रॉक आर्ट के चित्रों की प्रदर्शनी होगी। इसमें 20 देशों के विद्वान प्राचीन शैल कला के संरक्षण पर अपनी राय देंगे। इसके अलावा भारतीय जनजातियां जिनमें आज भी पत्थरों के शिल्प की परंपरा व लोक कलाएं विद्यमान हैं, पर आधारित वर्कशॉप होगी। कार्यक्रम के उद्घाटन के मौके पर उपराष्ट्रपति ने रॉक आर्ट पर आधारित कई पुस्तकों का विमोचन किया।

रॉक आर्ट 2012 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन पुस्तक का विमोचन करते उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी।

Publication	Edition	Date	Page No.
Amar Ujala	New Delhi	7th Dec 2012	3

'शहरीकरण के बोझ में दब रहीं ऐतिहासिक इमारतें'

विवेक निगम

नई दिल्ली (ब्यूरो)। ऐतिहासिक इमारतें और इतिहास-पूर्व काल के रॉक आर्ट के कई केंद्र शहरीकरण और बढ़ती आबादी के बोझ तले दब रहे हैं। इन अनमोल विरासतों को बचाने के लिए हम सबको आगे आना होगा। उपराष्ट्रपति डा. हामिद अंसारी ने यह बात बृहस्पतिवार को दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स (आईजीएनसीए) में आयोजित 45 दिवसीय रॉक आर्ट (पाषाण कला) फेस्टिवल में कही।

उनका मानना है कि इन अनमोल विरासतों को सहेजने के लिए हम सभी को अपने नजरिये में बदलाव करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम अब नहीं जागे तो इनकी क्षति की भरपाई असंभव हो जाएगी। इनको बचाने के लिए सरकार, संगठन, समुदायों को एक साथ काम करना होगा। इस मौके पर रॉक आर्ट के संरक्षक डा. यशोधर मठपाल को सम्मानित भी किया। 45 दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल में भारत समेत पांच महाद्वीपों (एशिया, दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, यूरोप व अमेरिका) के बीस देशों के पाषाण कला विद्वान अपने अनुभवों को साझा करेंगे। विद्वान सम्मेलन में व्याख्यानों के जरिये पाषाण कला के विकास, चुनौतियों और समस्याओं पर अपने-अपने महादेशों में पाषाण कला की मौजूदा स्थिति पेश करेंगे।

यह प्रदर्शनी विभिन्न महादेशों के अलग-अलग कला रूपों को प्रदर्शित करने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में बांटी गई है। इसमें चार हजार से 12 हजार ईसा पूर्व के ऐतिहासिक युग से संबंधित खंडित पाषाण कला भी दिखाई जाएगी। इसका आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से किया है।

रॉक आर्ट फेस्टिवल में उपराष्ट्रपति डॉक्टर हामिद अंसारी भी पहुंचे।

कला की तकनीकों की मिलेगी जानकारी

समारोह स्थल पर भारतीय खंड में विभिन्न कबायली कला रूपों को दिखाया जाएगा, जो पाषाण कला की निरंतर चली आ रही परंपरा व्यक्त करते हैं। इन कला रूपों में सौरा (ओडिशा), वर्ली (महाराष्ट्र) और राठवा (गुजरात) को शामिल किया गया है। कार्यशाला के दौरान देश-दुनिया के पाषाण कलाकार कला की तकनीकों और इसकी आकृतियों में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों के बारे में जानकारी देंगे।

Publication	Edition	Date	Page No.
Rashtriya Sahara	New Delhi	7th Dec 2012	7

उपराष्ट्रपति ने किया 'रॉक आर्ट महोत्सव' का उद्घाटन

नई दिल्ली (एसएनबी)। शहरीकरण और बढ़ती आबादी की वजह से ऐतिहासिक इमारतें और इतिहास पूर्व चट्टानों पर उकेरी गयी कला 'रॉक आर्ट' खत्म होती जा रही हैं। इन विरासतों की देखभाल के प्रति अपने नजरिये में अविलंब सुधार नहीं किया तो इनकी क्षति की भरपाई असंभव हो जाएगी। यह बात उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी ने यहां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में 'रॉक आर्ट--2012' के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही। इस मौके पर श्री अंसारी ने रॉक आर्ट कला के संरक्षक डा. यशोधर मथपाल को सम्मानित किया। इस मौके पर रॉक आर्ट पर प्रकाशित एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

श्री अंसारी ने कहा, रॉक आर्ट एक ऐसी धरोहर है जिसकी क्षति होने पर भरपाई नहीं की जा सकती है। इसलिए इसे संरक्षित करने के लिए सरकार, सार्वजनिक संगठनों और स्थानीय समुदायों को मिलकर काम करना होगा। इसके लिए प्रशासनिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस कला का पुरातात्विक और सांस्कृतिक महत्व है। उन्होंने कहा कि हमें रॉक आर्ट की शानदार विरासत के महत्व को समझना होगा और इन्हें नुकसान से बचाना होगा। श्री अंसारी ने कहा कि मानव प्राचीन समय से ही गायन, नृत्य, चित्रकारी और कला के अन्य माध्यम से अभिव्यक्ति करता रहा है। इनमें रॉक आर्ट सबसे प्राचीन है और मानव इतिहास की सांस्कृतिक विरासत के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बाद भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहां आज भी रॉक आर्ट जीवित है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) की सदस्य सचिव दिपाली खन्ना ने कहा कि यह सम्मेलन पाषाण कला (रॉक आर्ट) के उद्भव और इसके बाद इसकी यात्रा को समझने में मददगार होगा। उन्होंने कहा कि भारत इस विश्व विरासत के मामले में भाग्यशाली है। भारत में यह कला लोक तथा जनजातीय कला रूपों में अभी तक जिंदा है। इस लिहाज से इस तरह का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करना आईजीएनसीए के लिए बड़े गर्व की बात है। करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले इस समारोह का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से किया है।

Publication	Edition	Date	Page No.
Dainik Bhasker	New Delhi	7th Dec 2012	2

क्विक रीड

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रॉक आर्ट की गुरुवार को शुरुआत हो गई। इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने किया।

Publication	Edition	Date	Page No.
Jansatta	New Delhi	7th Dec 2012	7

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में गुरुवार को 'रॉक आर्ट' महोत्सव के उद्घाटन के दौरान उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी को किताब भेंट करते केंद्र के अध्यक्ष चिन्मय आर गरेखान। साथ में हैं संस्कृतिविद् कपिला वात्स्यायन।

Publication	Edition	Date	Page No.
Punjab Kesari	New Delhi	7th Dec 2012	9

रॉक आर्ट समारोह में पाषाण कला पर आधारित प्रदर्शनी देखते हुए उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी। (छाया : सुनील डोगरा)

विरासतों के संरक्षण की जरूरत : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (मैट्रो): ऐतिहासिक इमारतें और इतिहास पूर्व काल की पाषाण कला शहरीकरण तथा बढ़ती आबादी के बोझ तले दबती जा रही है और अब इन अनमोल विरासतों को बचाने तथा संरक्षण के लिए अब अविलम्ब कदम उठाने की जरूरत है। उपर्युक्त वाक्य भारत के उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने आज 'रॉक आर्ट 2012' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान कहे।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र द्वारा आयोजित फैस्टीवल में मुख्य रूप से पाषाण कला अनुसंधान तथा प्रलेखन मामलों में प्रगति व चुनौतियों को केन्द्र में रखा गया है। राजधानी में शुरू हुए इस फेस्टीवल में 20 देशों के विद्वान भाग लेंगे तथा इस प्राचीन कला को समझने एवं संरक्षण पर विमर्श करेंगे। 45 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति, केन्द्रीय संस्कृति मंत्री चंद्रेश कुमारी कटोच तथा आईजीएनसीए की सदस्य सचिव दिपाली खन्ना मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

- **45 दिन चलेगा समारोह**
- **20 देश लेंगे फेस्टीवल में हिस्सा**

प्राकृतिक चट्टानों पर मानव निर्मित चित्र, आकृतियां ही प्राचीन काल में अभिव्यक्ति का सशक्त साधन थी। शिलालेखों व चट्टानों पर उकेरी गई आकृतियों व चिन्हों की बदौलत ही हम अपनी प्राचीन संस्कृतियों तथा प्राचीन काल के बारे में जान पाए हैं। इस कला के प्रति जागरूकता फैलाने तथा ऐतिहासिक स्मारकों व धरोहरों पर बनी राक आर्ट के संरक्षण की जरूरतों को दर्शाते हुए 'रॉक आर्ट 2012' का आयोजन किया गया है।

रॉक आर्ट के इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर उपराष्ट्रपति ने खुशी जताई तथा विदेशों से आये अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा यह एक महान कार्य है तथा अपनी विरासत व पुरातन संस्कृति को बचाने तथा इसे समझने के लिए सरकारी व गैर सरकारी संगठनों के साथ आम आदमी को भी मिलकर कार्य करना होगा। 45 दिनों तक चलने वाले इस अन्तर्राष्ट्रीय समारोह के दौरान भारत समेत दुनिया के विभिन्न स्थानों के रॉक आर्ट की चित्र प्रदर्शनी होगी। 20 देशों के प्रतिनिधि इस प्राचीन कला के संरक्षण पर अपनी बात रखेंगे।

Publication	Edition	Date	Page No.
Punjab Kesari	New Delhi-NCR	7th Dec 2012	8

शहरीकरण के बोझ तले दब रही है ऐतिहासिक इमारतें

■ 45 दिवसीय समारोह का उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और केंद्रीय संस्कृति मंत्री चंद्रेश कुमारी कटोच ने किया उद्घाटन

■ गायब हो रहे हैं रॉक आर्ट के कई केंद्र: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (ब्यूरो) ऐतिहासिक इमारतें और इतिहास-पूर्व काल के रॉक आर्ट के कई केंद्र शहरीकरण और बढ़ती आबादी के बोझ तले दब रहे हैं, और इन अनमोल विरासतों को बचाने के लिए अविलंब कदम उठाने की जरूरत है। यह कहना है भारत के उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी का, जिन्होंने आज यहां रॉक आर्ट 2012 के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 'शहरीकरण और बढ़ती आबादी के दबाव से न केवल ऐतिहासिक इमारतें बल्कि इतिहास-पूर्व काल के रॉक आर्ट के कई केंद्र रसातल में जा रहे हैं। इन विरासतों की देखभाल के प्रति अपने नजरिये में अविलंब सुधार नहीं किया तो इनकी क्षति की भरपाई असंभव हो जाएगी।

नई दिल्ली में राक आर्ट फैस्टीवल 2012 के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय राक आर्ट संरक्षक डॉ. यशोधर मठपाल को सम्मानित करते हुए।

यह दरअसल एक महान राष्ट्रीय कार्य है जिसमें सरकार के विभिन्न अंगों को सार्वजनिक संगठनों और स्थानीय समुदायों के साथ मिल कर काम करना होगा। इसमें कल्पना शक्ति के साथ प्रशासनिक दृढ़ संकल्प भी चाहिए। कला के अध्ययन के लिए बहुविषयी माध्यमों को अपनाने की अहमियत आज हमारे सामने है। इसका पुरातात्विक महत्व है और यह दुनिया के लोगों को समझने का एक सशक्त साधन भी है'।

45 दिवसीय समारोह का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया है। यह इतिहास-पूर्व काल के रॉक आर्ट, प्राचीनतम मानवीय अभिव्यक्तियों में एक, की संरक्षा और लोकप्रियता बढ़ाने का उल्लेखनीय प्रयास है।

सम्मेलन में भारत समेत दुनिया के विभिन्न स्थानों के रॉक आर्ट की चित्र प्रदर्शनी होगी। 20 देश के विद्वान इस प्राचीन कला के संरक्षण पर अपनी बात रखेंगे। साथ ही, भारतीय जनजातियों, जिनमें आज भी रॉक आर्ट की परंपरा है, एवं लोक कलाओं पर लाइव वर्कशॉप होगा।

गौरतलब है कि पाषाण कला की अनूठी विशेषता से लोगों को रूबरू कराने के लिए मध्य प्रदेश के रायसेन जिले स्थित विश्व विरासत के पुरातात्विक महत्व वाले भीमबेटका में एक गुफानुमा आकृति तैयार की गई है। वैश्विक पाषाण कला से लैस यह प्रदर्शनी विभिन्न महादेशों के अलग-अलग कला रूपों को प्रदर्शित करने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में बांटी गई है। प्रदर्शनी में 4,000 से 12,000 ईसा पूर्व के पूर्व ऐतिहासिक युग से संबंधित खंडित पाषाण कल भी दिखाई जाएगी।

उपराष्ट्रपति ने किया सम्मेलन का उदघाटन

इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने कहा, 'रॉक आर्ट के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर यहां होना मेरे लिए खुशी की बात है। इसके आयोजन के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र धन्यावद का पात्र है। मैं इस अवसर पर दुनिया के विभिन्न भागों से आए अतिथियों का स्वागत करता हूं और उनकी भागीदारी की सराहना करता हूं।

सम्मेलन में शामिल होंगे ये मुख्य विषय

(1) परिकल्पना और पद्धति (2) थीम- (क) रूप (ख) सामग्री (ग) संदर्भ (3) तकनीक (4) पाषाण कला की व्याख्या- (क) पुरातात्विक पहल (ख) मानव विज्ञान संबंधी पहल (ग) मनो-विश्लेषणात्मक पहल (5) अंतरविभागीय पहल (6) कालक्रमिक मुद्दे (7) सांस्कृतिक पारिस्थिति (8) प्रलेखन एवं संरक्षण। भारत, फ्रांस, इटली, स्पेन, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, अमेरिका, क्यूबा, पेरू, बोलिविया, चीन और कई अन्य देशों के विशेषज्ञ तथा विद्वान पाषाण कला के संरक्षण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों पर व्याख्यान देंगे।

Publication	Edition	Date	Page No.
Vir Arjun	New Delhi	7th Dec 2012	7

प्रस्तर कला को सुरक्षित करने का प्रयास हो : अंसारी

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति श्री मोहम्मद हामिद अंसारी ने कहा है कि प्रस्तर कला की हमारी विरासत आज भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राज्य पुरातत्व विभागों के दायरे के बाहर है। उन्होंने कहा कि प्रस्तर कला के अध्ययन और उसे बचाने की आवश्यकता है ताकि स्थानीय समुदायों की आर्थिक और सामाजिक जरूरतों पर ध्यान दिया जा सके। वे आज अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तर कला सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। सम्मेलन का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र ने किया था।

''ताकि स्थानीय समुदायों की आर्थिक और सामाजिक जरूरतों पर दिया जा सके ध्यान''

उपराष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त की कि शहरीकरण और बढ़ती आबादी के कारण ऐतिहासिक स्मारकों और प्रागैतिहासिक प्रस्तर कला को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि हमें शानदार विरासत के महत्व को समझना होगा और इन्हें नुकसान से बचाना होगा। श्री अंसारी ने कहा कि मानव प्राचीन समय से ही गायन, नृत्य, चित्रकारी और कला के अन्य माध्यमो के जरिए अपनी अभिव्यक्ति करता रहा है। इनमें प्रस्तर कला अत्यन्त प्राचीन है और मानव इतिहास की सांस्कृतिक विरासत के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बाद भारत ही एक ऐसा एकमात्र देश है जहां आज भी प्रस्तर कला जीवित है। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर प्रसिद्ध प्रस्तर कला संरक्षक डॉ. यशोधर मथपाल को सम्मानित किया।

नई दिल्ली में प्रसिद्ध प्रस्तर कला संरक्षक डॉ. यशोधर मथपाल को सम्मानित करते हुए उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी।

Publication	Edition	Date	Page No.
Natrional Duniya	New Delhi	7th Dec 2012	5

झरोखा

शहरीकरण का दबाव ऐतिहासिक धरोहरों के लिए खतरा : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। शहरीकरण के दबाव और जनसंख्या वृद्धि देश के एतिहासिक स्मारकों और पूर्व एतिहासिक रॉक आर्ट के स्थलों के लिए खतरा बनता जा रहा है। अगर इनको बचाने के लिए तुरंत ही कदम नहीं उठाए गए तो ये धरोहरों को बचाना मुश्किल होगा। यह बात उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने अंतरराष्ट्रीय रॉक आर्ट सम्मेलन-2012 के उदघाटन के मौके पर कही।

श्री अंसारी ने कहा कि धरोहरों को बचाने के लिए सरकार को सिविल सोसायटी और स्थानीय समुदाय आदि को जोड़ कर एक बड़ा मंच बनाना होगा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और सांस्कृतिक मंत्रालय के सहयोग से पैंतालीस दिन तक चलने वाले इस पर्व में पूर्व एतिहासिक रॉक आर्ट को बचाने के लिए प्रचारित करना भी होगा। लोगों को प्राकृतिक रॉक आर्ट का अहसास दिलाने के लिए मध्यप्रदेश में स्थित भीमबेटका की तरह की गुफा भी बनाई गई है। सम्मेलन में एशिया, दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, यूरोप और अमरीका के विद्वान भी वक्तव्य देंगे।

Publication	Edition	Date	Page No.
Naya India	New Delhi	7th Dec 2012	3

प्रदर्शनी

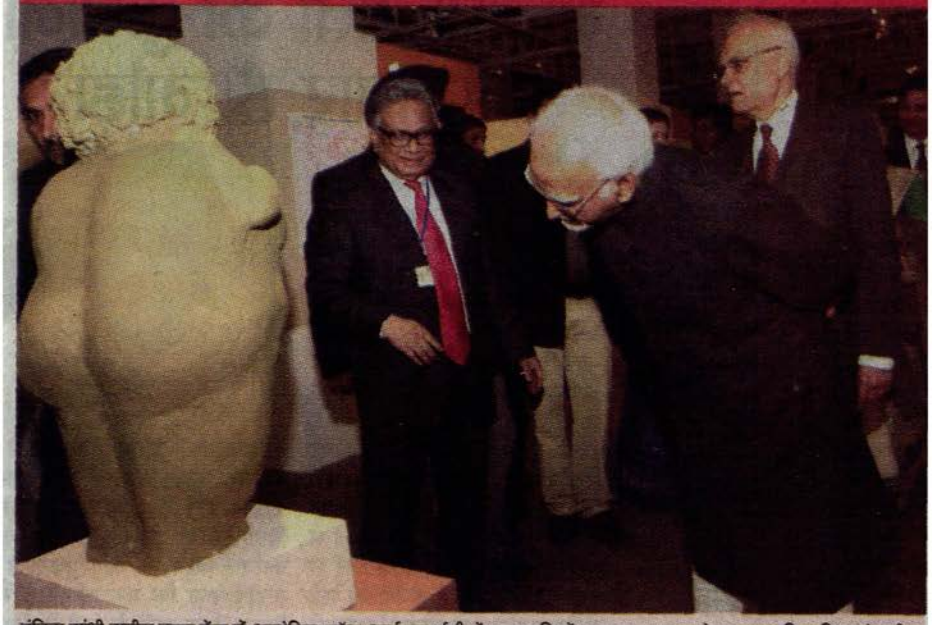

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित 'रॉक आर्ट' प्रदर्शनी में कलाकृतियों का मुआयना करते उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी।

Publication	Edition	Date	Page No.
Aaj Samaj	New Delhi	7th Dec 2012	5

जरा मैं भी तो देखूं

नई दिल्ली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में पाषाण कला महोत्सव 2012 के उद्घाटन अवसर पर उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, साथ में केंद्र की संस्थापक सदस्य, सचिव कपिला वात्स्यायन।

Publication	Edition	Date	Page No.
Indian Express(Express News line)	New Delhi	7th Dec 2012	4

Gallery Nature Morte, A-1, Neeti Bagh, till January between 10 am to 6 pm. Entry is free.

Hanuman Road: "The Spanish Royal Family in India" is an exhibition of photographs at Instituto Cervantes, 48, Hanuman Road, CP, till December 31 at 11 am to 7 pm. Entry is free.

Defence Colony: "Dhayanachitra : Contemplative Images" is a collection of paintings in watercolour by A. Ramachandran at Vadehra Art Gallery, D-40 Defence Colony till December 15 at 11 am to 7 pm. Entry is free.

Janpath: "Adi Drshya: A Primeval Vision of Man" exhibition at IGNCA, 1, Central Vista (CV) Mess, Janpath, till January 25 at 10 am to 5 pm. Entry is free.

FILM SCREENING

Lodhi Road: *The Escape*, a film on an Danish journalist who is held hostage in Afghanistan by a terror group, will be screened tomorrow at Alliance Francaise at 5:30 pm

THEATRE

Mandi House: Watch *Humein Naaz Hain*, a satirical play directed by Lokesh Jain, that focuses on the plight of the homeless on the streets of Delhi. It will be staged today and tomorrow at Sri Ram Centre at 6.30 pm.

MUSIC

ITO: "Dance, Drama and Music for the Uprooted", a musical Christmas journey from the Syrian music to reggae and rap, will be held at Pearey Lal Bhawan, ITO, on December 8 at 6 pm.

Publication	Edition	Date	Page No.
Hari Bhoomi	New Delhi	7th Dec 2012	6

सम्मान

नई दिल्ली। प्रसिद्ध पुरातत्वविद यशोधर मथपाल को 'रॉक आर्ट' के लिए समामनित करते उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी।